हम बालक हैं तेरे | by Sandeep Sharma

हम बालक हैं तेरे यूँ तड़पाया ना करो
सजा है दरबार देर लगाया ना करो
दर्शन खातिर भक्तों को सताया ना करो
सजा है दरबार देर लगाया ना करो

फूल कलकत्ते से ल्याए शीश तेरे खूब सजवाये
चूरमो जाटणी ले आई छप्पन भोग भी लगवाए
आऊं सु कहके बहाना बनाया ना करो
सजा है दरबार देर लगाया ना करो

आज तेरी ज्योत जलवाई मिलान की रात है आई
भजन चोखे सुनावांगे कसम ये आज है खाई
लीले चढ़ आओ भूल जाय ना करो
सजा है दरबार देर लगाया ना करो

आज हम हाथ उठाएंगे, भर भर ताली बजायेंगे
कीर्तन में आना श्याम, तुझे सीने से लगाएंगे
संदीप बोले सांवरिया ललचाया ना करो
सजा है दरबार देर लगाया ना करो

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a4%ae-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%95-%e0%a4%b9%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-by-sandeep-sharma/